खंड–2

उपखंड–4

प्राचीन भारत में धर्म एवं दर्शन

(Religion and Philosophy in Ancient India)

By Manikant Singh

1. निम्नलिखित विशेषताओं पर विचार कीजिये-

1. स्तूपिका का निर्माण
2. मंडप का निर्माण
3. रेखीय शिखर
4. ऊँचे चबूतरे पर स्थापत्य का निर्माण

उपरोक्त में कौन-सा/से द्रविड़ शैली की विशेषताएँ है/हैं?

(a) केवल 2 (b) केवल 1 और 2

(c) 1, 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

2. निम्नलिखित में से कौन पल्लवकालीन कला के लक्षण है/हैं?

1. विमान

2. खंडीय शिखर

3. मंडप

4. गोपुरम

कूट:

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2

(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

3. कथन (A):- स्थापत्य के क्षेत्र में चोलों को पल्लवों की विरासत प्राप्त हुई।

कारण (R):- चोल शासकों ने बड़ी संख्या में पहाड़ को काटकर मंदिरों का निर्माण करवाया।

कूट:

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं परंतु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

4. गुप्तकालीन मंदिर के विषय में क्या सत्य है?

1. इसमें शिखर के उपर स्तूपिका निर्मित की जाती थी।

2. मंदिर के बाहर का भाग सादा और अंदर का भाग अलंकृत होता था।

कूट:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) उपर्युक्त में से कोई नही

5. महाबलिपुरम, जो एक मुख्य नगर है, वह कला में किन शासकों की रुचि को दर्शाता है?

(a) पल्लवों की

(b) चेरों की

(c) पाण्ड्यों की

(d) चालुक्यों की